पाठ 5. स्मृतियाँ

पाठ का उद्देश्य

कक्षा में इस पाठ का मौन वाचन करने से बच्चों में वाचन-कौशल का विकास होगा। इस पाठ से उन्हें विशिष्ट व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त होगा। बिरला जी का व्यक्तित्व उनके सामने एक आदर्श प्रस्तुत करेगा। बच्चे आत्मकथात्मक शैली कैसे लिखी जाती है, उसका परिचय प्राप्त करेंगे। उनके भीतर देश के प्रति सकारात्मक सोच पैदा होगी। जीवन में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा होगा।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को पाठ का मौन वाचन करने को कहें।
- वाचन करने के बाद बच्चे पाठ पर आधारित प्रश्न निर्माण करें।
- प्रश्न निर्माण करने के बाद उन्हें वे प्रश्न कक्षा में अपने मित्रों से पूछने को कहें। इस प्रकार वे आपस में तर्क करना सीखेंगे।
- बच्चे इस कहानी को कक्षा में पूर्ण हाव-भाव सहित सुना सकते हैं।

इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। वे इस कहानी को जब कक्षा में हाव-भाव सहित तथा पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँगें तो इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी तथा संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को विस्तार मिलेगा। प्रश्न निर्माण करने, प्रश्न पूछने तथा उत्तर देने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।